रात्रिक्लास 23-4-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?
**********

प्रदर्शनी में नई दुनिया कैसे स्थापन होती है, किस द्वारा होती है यही समझाया जाता है। भिन्न-भिन्न प्रकार से। क्योंकि अशान्ति है। विश्व में शांति भी चाहते हैं। तुम बच्चों को लिखदेना चाहिए विश्व में शान्ति। फिर उनकी चित्र भी दिखाना है। यह विश्व के मालिक थे विश्व में शान्ति थी। क्यों कि पवित्रता सुख शान्ति, सम्पति थी। आयु भी बड़ी थी। जहां2 म्युजियम प्रदर्शनी होती है तो यह बताना है। सभी एक कैसे हो सकते हैं। हर एक आत्मा का पार्ट अपना2 है। एक हो न सके। पार्ट तो सभी का अपना2 है। पहले2 पार्ट होता है सुख-शान्ति का फिर होता है दुःख-अशान्ति का। पुराने में दुःख अशान्ति जरूर होगा। तुम समझते हो खेल ही है नई दुनिया पुरानी दुनिया का। सृष्टि चक्र भी आती है। कोई डिफीकल्ट समझनी नहीं है। बाप जो जानते हैं बच्चों ने भक्ति में बहुत ही दुःख देखा है। अपवित्र रहे हैं रावण राज्य में बहुत ही दुःखी रहे हैं। सभी सुख पसन्द करते हैं रामराज्य। रावण राज्य में अनेक धर्म है। रामराज्य में एक धर्म था। और सतोप्रधान पवित्रता थी। तो जरूर सुख-शान्ति हो गी। आयु भी बड़ी होगी। यह बातें तुम बच्चे ही जानते हो। बाबा ने समझाया है यह लोग सभी धर्म वालों को बुलाते हैं राय करने एकता(वननेस) कैसे हो। उन से अर्थ पुछना चाहिए। तुम से डरते भी हैं। पता नहीं क्यों डरते हैं। रिलीजियस कान्फ्रेन्स है। हां तुम कहते हो पुरानी दुनिया का विनाश। तो कहते हैं ब्रह्माकुमारियां तो विनाश लावेंगी। और विनाश बिगर शान्ति कैसे होगी। कहेंगे तुम कहते हो 8वर्ष में विनाश। इसलिए बोलो 8वर्ष में विश्व में शान्ति। शान्ति के लिए ही माया मारते हैं। लिखो 9वर्ष में विश्व में सम्पूर्णसुख-शान्ति का राज्य। तो यह ठीक है। समझेंगे नहीं। पत्थर बुद्धि ठिकर बुद्धि है। कहते भी है परमात्मा सर्वव्यापी है। अरे ठिकर बुद्धि कहीं ना। तुम विनाश कहते हो। तो डरते हैं। विनाश में ही विश्व की शान्ति है। यह समझते नहीं हैं। कहते हैं हम कहते हैं विश्व में शान्ति हो तुम कहते हो विनाश हो। तुम बच्चे जानते हो लड़ाई तो जरूर होनी ही है। यह शान्ति स्थापन हो रही है। बाप द्वारा। शान्ति का सागर बाप ही है। उनकी महिमा कर समझाना होता है। बाप ही विश्व में शान्ति की स्थापना, अशान्ति का विनाश और विश्व में शान्ति की पालना करेंगे। यह बातें तुम ही जानते हो। युक्ति युक्त समझाना है। तुम हो सेना। अर्जुन इतना योगबल नहीं है। ज्ञान का बल नहीं। ज्ञान से धन मिलता है। कहा जाता है स्कूल में पढ़ने से कमाई होती है। वह है हद की कमाई यह है बेहद की। बच्चे जानते हैं हम भविष्य 21 जन्म की कमाई कर रहे हैं। बन्धन पड़ता है तो तरफ्ती है। बाप से हम बेहद का वर्सा लेवें न कि बन्धन में फंसे। कई2 पर जबरदस्ती होती है। सीढ़ी में दिखाया है ना। बाप भी कहेंगे इनको पकड़ कर बन्दा करो। दोस्तों को भी ले आते हैं। इनको पकड़ो। बाप समझाते रहते हैं कामेषु, क्रोधेषु हैं। मार भी खावेंगे नहीं नई बात नहीं। चिल्लाना नहीं है। बाबा को लिखेंगे बाबा कर क्या सकते। बाप कहेंगे युक्ति रचो। बिमारी है यह है। अनेक प्रकार की युक्तियां रचते हैं। बाप कहते हैं तुम्हारी आसक्ती नहीं है जबरदस्ती करते हैं तो तुम्हारा कुछ नहीं होता है। लाचारी है ना। युक्तियां बहुत चाहिए। बहुत बच्चियां रोना भी सीख जाती हैं युक्ति से। बाप उन पर जबरदस्ती करते हैं बच्चों की आसक्ती इस दुनिया में ही नहीं है। बाप कहते हैं इन आंखों से जो कुछ देखते हो भूलना है। तुम अभी पक्के बनते हो। नई दुनिया भी तुम्हारे लिए होगी। जो कुछ होता रहता है नई नहीं है। सभी कल्प पहले मिसल होता है। तुम पुरुषार्थ करते हो ड्रामा अनुसार। अपने को बचाने का पुरुषार्थ भी करना है। हार खाते हैं। बाप कहते हैं लाचारी मार मार कर के फंस हो जाते हो तो फिर क्या करेंगे। मुठा जाकर के काला मूंह करे। बाबा हम रावण के वश है। हमारा दोष नहीं है। शिव बाबा से बातें ऐसी करनी चाहिए जैसे प्रेक्टीकल में। बाप कहते हैं तुम पर कोई दोष नहीं है। फिर भी जितना हो सके उन पर भी उपकार करो। सभी भारतवासी अपकारी हैं। उन परकितनाउपकार करता हूं। वह भी रावण वंश है ना। अभी तुम तो राम के बन गये हो। तो कोशिश कर उन पर उपकार कर थोड़ा ठीक कर

देना चाहिए जितना हो सके। आखरीन में समझ ही जावेंगे। ऐसे बच्चियां अपने पति को ले आती है। उनका कल्याण करना है। सहन भी करना पड़े। है यह एक अन्तिम जन्म। दिन प्रति दिन समय थोड़ा होता जाता। 5-7 वर्ष है। बच्चा क्या करेंगे। दुनिया में बहुत हाहाकार हो जाता है। लड़ाई चलती है तो 6-7 वर्ष भी चलती है। अब अपने को सतोप्रधान बनाने बहुत मेहनत करनी है। बाप ने समझाया है तुम सतोप्रधान हो। अभी सतोप्रधान बनना है। यह योगअग्नि है। तुमको बाबा की याद। बाबा कहते हैं हे बच्चों मुझे याद करो तो विकर्म विनाश हो जावेंगे। आत्मा पवित्र बन जावेगी। यह पैगाम सभी को देना है। तीर्थों पर थोड़ा भी समझावेंगे तो पण्डे लोग वहां उनको डरा देते हैं। तुम्हारा नाम मशहूर है जादूगर से। बाप मनुष्य से देवता बनाते हैं वह तो अच्छा ही करते हैं। एमआबजेक्ट दिखाना है। पुरुषोत्तम संगम युग की बड़ी अच्छी समझानी देनी पड़े। यह है पुरुषोत्तम मास संगम युग। कलियुग अन्त, सतयुग के आदि का संगम युग। सतयुग में देवतायें ही होते हैं। सिर्फ संगम युग लिखने से भी समझेंगे नहीं। डिटेल में समझाना पड़े। दोनो हम ब्राह्मण है चोटी। वह अपवित्र है हम पवित्र हैं। ब्राह्मणों को भी तुम समझा सकते हो। आदी देव, एडम के बच्चे तो सभी हैं। उनको ग्रेट2 ग्रेन्ड फादर दिखलाते हैं। परन्तु लाखों वर्ष कह देते। बाप ने बताया है 5000 वर्ष की बात है। कृष्ण के चित्र में 84 जन्मों की कहानी बड़ी ही अच्छी चित्र है। कृष्ण का चित्र कितना वन्डर फुल है। इतनी महिमा कर के चित्र दो। तुम राधे-कृष्ण, लक्ष्मी नारायण को भी नहीं जानते हम सभी को जानते हैं। रचयिता को रचना को जानते हैं। तुम राजऋषि हो प्रवृति मार्ग वाले। मेल-फिमेल सभी की आत्मायें राजऋषि हैं। वह है हद का सन्यास। यह है बेहद का। कोई समझते हैं कफनी पहननी पड़ती है। यह है रायल। सन्यास कराने वाला है परमपिता परमात्मा। तुम सभी उनके बच्चे हो। फादर शिव आत्माओं को समझाते हैं। फिर तुम फादर का शो करते हो। कहते हैं ना फलो फादर। यह दोनो ही इकट्ठे हैं तो दोनो को फलो करना है। उनको फलो कर तुम भी ऊंच पद पाते हो। जैसे यह समझाते हैं वैसे तुम भी समझाओ। जो नहीं समझा सकते हैं उनको ईडियट कहेंगे ना। उन स्टुडन्ट का न्यु वर्ल्ड यहां का है। यह सुख है उन्हों का रावण सम्प्रदाय के। तुम्हारा न्यु वर्ल्ड होगा नई दुनिया में। अभी नाम कहते हैं पैराव डालो। म्युजियम खुलते रहेंगे। बच्चियां बड़ी होती नहीं है ब्रेक जो सर्विस कर दिखावे। पढ़ने की मना नहीं है। दोनो ही प्रेम पढ़ो। हर्जा नहीं है। टीचर को भी प्रेम सिखाओ। टीचर्स के कान्फ्रेन्स बला कर बोलो भगवानुवाच क्या समझाते हैं वह सुनाओ। वह की हिस्ट्री-जागराफी कैसे रिपीट होती है हम तुमको समझावें। सर्विस बहुत कर सकते हैं। तुम मैसेन्ज देने वाले हो। घर-घर में सभी मैसेन्ज देना तुम्हारा फर्ज है। बैज निशानी लो है। गालियां देंगे। विघ्न पड़ेंगे, झूठी कलंक भी लगेंगे। कृष्ण पर भी कलंक लगाई है ना। जिनको गाली देते हैं वह कलंकीधर बनते हैं। कृष्ण के पुरानी आत्मा कोसभी गाली देते रहते हैं। कृष्ण को तो दे न सके। इनको देते हैं। विश्व पर युद्ध चलता है ना। गुस्से इस पर चला हंगामा। तुम चिट्ठी लेकर आई। यह बाप की ताकत थी। अभी तुम कितना समझदार बनते हो। इस रथ में शिव बाबा है। बाप भी कहते हैं इन सभी रथों में आत्मायें हैं। परमात्मा किसको पढ़ाते हैं। प्रेक्टीस है हम आत्माओं को पढ़ाते हैं। फिर दादा को यह प्रेक्टीस करनी पड़ती है। तुम बच्चे ना भाईयों को हम समझाते हैं। इसमें मेहनत है। घड़ी-घड़ी देह-अभिमान में आ जाते हैं। अच्छे संस्कार आत्मा में होती है। सभी कर्म पीटते रहते हैं। बाप कर्म कूटने से मुक्त कर देते हैं। अच्छा गुडनाईट

एक नया सेन्टर खुला है जिसकी एड्रेस लिख रहे हैं।-

BRAHMA KUMARIS
C/o C.L. MANJI
DILAWAR GANJ
DARJEELING ROAD
KISHINGANG
DISTT. PURNIYA (BIHAR)